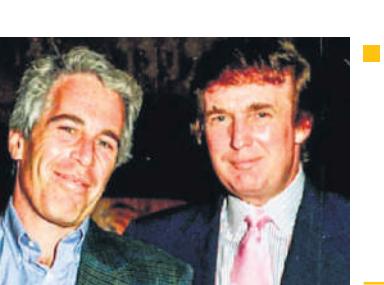


■ उच्च न्यायिक सेवा में पदोन्नत जगत के लिए आवश्यक देने से सुधीम कोर्ट का इन्कार 12



■ केंद्रीय उद्योग मंत्री गोविल बोले- आयातकों और निर्यातकों को नई सूचना देगा टीआईए 12



■ ट्रंप पर बढ़ा यौन अपराधी एपस्टीन से संबंधित फाइलों जारी करने का दबाव 13



■ एकूके के करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी से उत्तर प्रदेश ने तमिलनाडु पर बढ़ा बनाई 14

6th वार्षिकोत्सव
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

मार्गदर्शीकृष्ण पक्ष अमावस्या 12:17 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत् 2082

छह साल का साथ, अदृष्ट विश्वास

सादर प्रणाम।

आज अमृत विचार केवल एक समाचार पत्र नहीं, बल्कि सच और सकारात्मकता की उस यात्रा का प्रतीक है, जिसमें आप सभी के अदृष्ट विश्वास के सहारे अपने छह वर्ष सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। इस महत्वपूर्ण पश्चात् पर, हम आप सभी का हाद्यतल से आभार व्यक्त करते हैं और कॉटिश-बधाई देते हैं।

वर्ष 2019 में बरेली की पावन धरा से जह फूलने अपनी यात्रा शुरू की थी, तब बाजार में अनेक चुनौतियां थीं, तेकिन हमारे पास एक संकल्प था - प्रकारिता के उच्चतम मूल्यों को पुनः स्थापित करने का। हमने तय किया था कि हम केवल खबरें नहीं छापें, बल्कि उन खबरों के पीछे का सच सामने लायें, जो समाज को प्रभावित करती है। इन छह वर्षों में हमने निर्धारित को अपना धर्म बनाया। यह वह स्थानीय स्तर की समस्याएँ होंगी या राष्ट्रीय मुद्रे, अमृत विचार ने हमेसे बेबाकी से अपनी बात रखी है। नियमित खबरों के साथ साथ पाठकों को अपेक्षित रखने के लिए सदाचार में सातों दिन अलग - अलग विषय पर विशेष फीचर पेजों का संयोजन भी किया जा रहा है।

इस यात्रा में कई उत्तर - चाहाव आए, लेकिन आपके समर्थन ने हमें हर चुनौती का डटकर सामना करने की शक्ति दी। आज, बरेली से शुरू हुआ यह कारवां लखनऊ, कानपुर, मुगादाबाद, हल्द्वानी और अयोध्या तक पहुंच चुका है, और यह विस्तार आपके भरोसे की सीधा प्रमाण है। जल्द ही हम अमृत विचार के दिल्ली, देहरादून और मेरठ संस्करण की शुरूआत की दिशा में भी काम कर रहे हैं।

हमारा मानना है कि प्रकारिता केवल समस्याओं को उंगार करने तक सीमित नहीं है। हमारा उद्देश्य समाधान - उम्मुख प्रकारिता करना और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है। अमृत विचार आगे भी इनी पथ पर चलता रहेगा। हम सनसनीखेज प्रकारिता से बचते हुए, तथ्यों पर आधारित और चिंतन पूर्ण सामग्री अपने पाठकों तक पहुंचाने के लिए प्रतिवेद्ध हैं। हमारा हर शब्द समाज के निमांग में एक सकारात्मक भूमिका निभाए, यही हमारा लक्ष्य है।

इन छह वर्षों की सफलता ने हमारे हाईस्लों को और मजबूत किया है। इस अवसर पर, हम यह संकल्प लेते हैं कि अमृत विचार समाचार पत्र को क्षेत्र में नई ऊँचाईयों पर लेकर जाएं। तकनीकी रूप से उन्नत होते हुए, हम डिजिटल माध्यमों पर भी अपनी पकड़ मजबूत करेंगे, ताकि हर वर्ग के पाठक तक पहुंच बनाई जा सके।

हम एक बार फिर अपने पाठकों का, जिन्होंने हमें अपना दैनिक साथी बनाया... अपने विज्ञापनदाताओं का, जिन्होंने हमारे मूल्यों पर भरोसा किया... अपने वितरकों का, जिन्होंने घर-घर तक हमें पहुंचाया और अपने महनीती कम्चारियों का, जिन्होंने इस सपने को हकीकत में बदला, हादिक आभार व्यक्त करते हैं। आपका विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूँजी है। हम आपके आधारी हैं और भविष्य में भी इसी जोश और इमानदारी के साथ आपकी सेवा में तपतर रहेंगे।

डॉ. केशव अग्रवाल
चेयरमैन
डॉ. वरुण अग्रवाल
डायरेक्टर

डॉ. अशोक अग्रवाल
प्रेसिडेंट
डॉ. अर्जुन अग्रवाल
डायरेक्टर

अमृत विचार समूह

मुकदमेबाजी से बचने को अकेली महिलाएं बनाएं अपनी वसीयत

न्यूज ब्रीफ
मिशेल बैचलेट को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

नई दिल्ली। इंजेसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उन सभी महिलाओं से अपेल की जिन्होंने अपनी संतानों को उन्होंने नहीं किया है, कि वे अपने माता-पिता और सुसुराल वालों के बीच संभावित मुकदमेबाजी से बचने के लिए वसीयत बनाएं। शीर्ष अदालत ने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम-1956 का हवाला देते हुए कहा कि उस समय संसद ने यह मान लिया होगा कि महिलाओं के पास स्व-अंजित संपत्ति नहीं होगी, लेकिन इन दशाओं में महिलाओं की प्राप्ति को कम करके ही आंका जा सकता।

पीढ़ी ने कहा कि इस देश में हिंदू महिलाओं सहित महिलाओं की विवाह में संपत्ति विवाह को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट की अपील



परिवार में संपत्ति विवाह को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट की अपील

एयरोस्पेस मेडिसिन का वार्षिक सम्मेलन आज नई दिल्ली। वायुसुरों पर उत्तर और मार्शल एपी सिंह गुरुराम को इंदिरा सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएसएनएम) के दो दिन के 64 वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। एयरोस्पेस मार्शल की उत्तराधिकारी अधिनियम-1956 का हवाला देते हुए कहा कि इस समय संसद ने यह मान लिया होगा कि महिलाओं के पास स्व-अंजित संपत्ति नहीं होगी, लेकिन इन दशाओं में महिलाओं की प्राप्ति को कम करके ही आंका जा सकता।

एयरोस्पेस मेडिसिन का वार्षिक सम्मेलन आज नई दिल्ली। वायुसुरों पर उत्तर और मार्शल एपी सिंह गुरुराम को इंदिरा सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएसएनएम) के दो दिन के 64 वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। एयरोस्पेस मार्शल की उत्तराधिकारी अधिनियम-1956 का हवाला देते हुए कहा कि इस समय संसद ने यह मान लिया होगा कि महिलाओं के पास स्व-अंजित संपत्ति नहीं होगी, लेकिन इन दशाओं में महिलाओं की प्राप्ति को कम करके ही आंका जा सकता।

एयरोस्पेस मेडिसिन का वार्षिक सम्मेलन आज नई दिल्ली। वायुसुरों पर उत्तर और मार्शल एपी सिंह गुरुराम को इंदिरा सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएसएनएम) के दो दिन के 64 वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। एयरोस्पेस मार्शल की उत्तराधिकारी अधिनियम-1956 का हवाला देते हुए कहा कि इस समय संसद ने यह मान लिया होगा कि महिलाओं के पास स्व-अंजित संपत्ति नहीं होगी, लेकिन इन दशाओं में महिलाओं की प्राप्ति को कम करके ही आंका जा सकता।

एयरोस्पेस मेडिसिन का वार्षिक सम्मेलन आज नई दिल्ली। वायुसुरों पर उत्तर और मार्शल एपी सिंह गुरुराम को इंदिरा सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएसएनएम) के दो दिन के 64 वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। एयरोस्पेस मार्शल की उत्तराधिकारी अधिनियम-1956 का हवाला देते हुए कहा कि इस समय संसद ने यह मान लिया होगा कि महिलाओं के पास स्व-अंजित संपत्ति नहीं होगी, लेकिन इन दशाओं में महिलाओं की प्राप्ति को कम करके ही आंका जा सकता।

एयरोस्पेस मेडिसिन का वार्षिक सम्मेलन आज नई दिल्ली। वायुसुरों पर उत्तर और मार्शल एपी सिंह गुरुराम को इंदिरा सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएसएनएम) के दो दिन के 64 वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। एयरोस्पेस मार्शल की उत्तराधिकारी अधिनियम-1956 का हवाला देते हुए कहा कि इस समय संसद ने यह मान लिया होगा कि महिलाओं के पास स्व-अंजित संपत्ति नहीं होगी, लेकिन इन दशाओं में महिलाओं की प्राप्ति को कम करके ही आंका जा सकता।

एयरोस्पेस मेडिसिन का वार्षिक सम्मेलन आज नई दिल्ली। वायुसुरों पर उत्तर और मार्शल एपी सिंह गुरुराम को इंदिरा सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएसएनएम) के दो दिन के 64 वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। एयरोस्पेस मार्शल की उत्तराधिकारी अधिनियम-1956 का हवाला देते हुए कहा कि इस समय संसद ने यह मान लिया होगा कि महिलाओं के पास स्व-अंजित संपत्ति नहीं होगी, लेकिन इन दशाओं में महिलाओं की प्राप्ति को कम करके ही आंका जा सकता।

एयरोस्पेस मेडिसिन का वार्षिक सम्मेलन आज नई दिल्ली। वायुसुरों पर उत्तर और मार्शल एपी सिंह गुरुराम को इंदिरा सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएसएनएम) के दो दिन के 64 वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। एयरोस्पेस मार्शल की उत्तराधिकारी अधिनियम-1956 का हवाला देते हुए कहा कि इस समय संसद ने यह मान लिया होगा कि महिलाओं के पास स्व-अंजित संपत्ति नहीं होगी, लेकिन इन दशाओं में महिलाओं की प्राप्ति को कम करके ही आंका जा सकता।

एयरोस्पेस मेडिसिन का वार्षिक सम्मेलन आज नई दिल्ली। वायुसुरों पर उत्तर और मार्शल एपी सिंह गुरुराम को इंदिरा सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएसएनएम) के दो दिन के 64 वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। एयरोस्पेस मार्शल की उत्तराधिकारी अधिनियम-1956 का हवाला देते हुए कहा कि इस समय संसद ने यह मान लिया होगा कि महिलाओं के पास स्व-अंजित संपत्ति नहीं होगी, लेकिन इन दशाओं में महिलाओं की प्राप्ति को कम करके ही आंका जा सकता।

एयरोस्पेस मेडिसिन का वार्षिक सम्मेलन आज नई दिल्ली। वायुसुरों पर उत्तर और मार्शल एपी सिंह गुरुराम को इंदिरा सोसाइटी ऑफ एयरोस्पेस मेडिसिन (आईएसएनएम) के दो दिन के 64 वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। एयरोस्पेस मार्शल की उत्तराधिकारी अधिनियम-1956 का हवाला देते हुए कहा कि

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

प्रवेशांक 2019

अमृत विचार



निर्भया मामले के देवियों को फॉसी (20 मार्च 2020)
निर्भया मामले के चारों देवियों, मुकेश सिंह, विनय शर्मा, पवन गुप्ता और अक्षय कुमार सिंह को 20 मार्च 2020 की सुबह तिहाई जेल में फॉसी ली गई। अमृत विचार ने इस खबर को ने केवल एक समाचार घटना के रूप में बल्कि राष्ट्रीय महत्व के एक संवेदनशील मुद्दे के रूप में पेश किया। समाचार पत्र ने इस लेखे लेने मामले की पूरी समय-सारांशी, अदालती कार्यवाही के उत्तर-द्वादश, और पीड़ितों के परिवार के संघर्ष को विस्तार से शामिल किया।

गलवान झड़प (15-16 जून 2020)

पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सेनियों के बीच हुई हिस्सक झड़प ने दोनों देशों के संबंधों में न्याय पैदा कर दिया। इस घटना में कई भारतीय सैनिकों की वीरता को प्राप्त हुए। राष्ट्रीय सुक्ष्मा से जुड़े संवेदनशील मामले में अमृत विचार ने देश भर में फैले अकाश और भारतीय सेना के शीर्षों को अपनी रिपोर्टिंग का केंद्र बनाया। समाचार पत्र ने इस घटना की भू-राजनीतिक प्रासंगिकता, शहीद सैनियों की कहानियों और सरकार के बाद के कदमों (जैसे चीनी एस्प पर प्रतिवधि) पर गहराई से नजर रखी। रक्षा विशेषज्ञों के विचारों और भारत-चीन रीतों विवाद के इतिहास पर विशेष लेख भी प्रकाशित किए गए।

आज मैं सिर्फ कागज के पन्नों का एक पुलिंदा भर नहीं हूँ। मैं बरेली की मिट्टी में जन्मी एक धड़कन हूँ... एक सास हूँ, जो हर सुबह आपके घर के बरामदे में ताजी हवा की तरह दस्तक देती है। छह साल... किसी सदियों पुरानी विवास के सामने ये हवा वक्त का एक छोटा-सा टुकड़ा हो सकता है, लेकिन मेरे लिए, यह जीवन का एक पूरा, सार्थक चक्र है।

मेरा जन्म किसी बड़े दावे के साथ नहीं हुआ था, न ही मैं किसी पूर्व-स्थापित विवास को चुनौती देने चला था। मेरे पास अहंकार नहीं, सिर्फ एक खाली कैवास था, जिसे इमानदारी और सच्चाई की स्थानी से भरा जाना था। जब मैंने पहली बार इस शहर की सुबह में आर्यों खोली तो मेरी सासों में यहाँ की गलियों की हलचल थी, यहाँ के लोगों की उम्मीदें थीं।

शुरुआत कभी आसान नहीं होती... हर सुबह, जब मैं आपके दरवाजे पर दस्तक देता, तो दिल में एक अंजीब सी धड़कन होती थी, व्याय में स्वीकार किया जाता।? अपने मुझे परखा, मेरी खबरों की गहराई को मापा। कुछ पाठकों ने मुझे अपने स्नह के आचल में जगह दी, अपने जीवन का हिस्सा बनाया। उनके प्रोत्साहन ने मुझे हर दिन, हर पल बहरत बनने की प्रेरणा दी। और फिर एक काला दीर आया... कोरोना काल। जब पूरी दुनिया के साथ साथ बरेली में भी नकारात्मकता का रसायन बाल छा रहे थे। लोग घरों में सिमट गए थे, तब मैंने तय किया कि मैं सकारात्मकता की एक किरण बनाना। मैं डर और निराश की खबरों के बीच उम्मीद की आवाज बना, बरेली के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा।

देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा (24 मार्च 2020)

अमृत विचार ने इस ऐतिहासिक घोषणा की तकाल कवरेज की ओर इसके बाद के प्रभावों पर विस्तृत रिपोर्टिंग की। इसमें लॉकडाउन के नियमों, आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता, प्रवासी मजदूरों की उद्दिश्य, और आर्थिक चुनौतियों पर कई लेख प्रकाशित किए गए।

राम मंदिर शिलान्यास (5 अगस्त 2020)

शक्तों पुराणे अयोध्या विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद, 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राम मंदिर की आधारशिला रखी गई, जो एक ऐतिहासिक और भावनात्मक क्षण था। कवरेज: अमृत विचार ने इस के प्रत्येक भावना के लिए भी कवर किया। शिलान्यास से समरोह की तयारी, धार्मिक अनुष्ठानों, और देश भर में मनाए उत्सव पर विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित की गई। समाचार पत्र ने इस अवसर पर जीव एवं व्याधों, मंदिर निर्माण के लिए एकत्रित दान, और अयोध्या में युद्ध परिवर्तनों को प्रमुखता से शामिल किया। कुल मिलाकर, “अमृत विचार” ने इन घटनाओं के द्वारा स्टीक जनकारी प्रदान करने के साथ-साथ इन मुद्दों से जुड़ी मानवीय कहानियों और सामाजिक प्रभावों को भी सामने लाने में उल्लेखनीय कार्य किया है।

अमृत विचार

देश के पहले सीटीएस विपिन रावत नहीं हो रहे। देश के पहले सीटीएस विपिन रावत का जीवन की जीत को एक राष्ट्रीय गौरव के रूप में प्रस्तुत किया और भारतभर में मने जाने की कवर किया। हमने नीरज के संघर्ष और सफलता की कहानी पर जोर दिया, जिससे यह जीत और भी प्रेरणादायक बन गई।

सीडीएस जनरल विपिन रावत का हेलीकॉप्टर हादसा

8 दिसंबर, 2021 को तमिलनाडु में हुए इस हादसे में भारत के पहले सीडीएस जनरल विपिन रावत समेत 13 लोगों का निधन हो गया था। अखबार ने घटना की जानकारी के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर हुए दुख को भी दर्शाया।

यूपी बजट

उत्तर प्रदेश सरकार के वार्षिक बजट 2024-25 को ‘अमृत विचार’ ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय विकास के दृष्टिकोण से प्रमुखता से छापा। बजट के प्रावधानों का बरेली और परिवर्तन प्रदेश के विकास, बुनियादी ढांचे, कृषि और रोजगार पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण किया गया।

भारत का चंद्रयान-3 मिशन (लॉन्च: 14 जुलाई 2023, लैंडिंग: 23 अगस्त 2023)

भारत के चंद्रयान-3 मिशन की सफलता एक राष्ट्रीय गौरव का क्षण थी, जिसे अमृत विचार ने बढ़े उत्साह के साथ कवर किया। लॉन्च से लेकर चंद्रमा की सतह पर सफल लैंडिंग तक, मिशन के हर चरण को वैज्ञानिक तथ्यों और राष्ट्रीय उल्लंघन के रूप में प्रस्तुत किया गया। सरल भाषा में विश्लेषण: जटिल वैज्ञानिक प्रक्रियाओं और ‘लैंडिंग’ के महत्व को सरल भाषा में समझाया गया।

2021



अयोध्या में रामलला की स्थापना

22 जनवरी 2024 को अयोध्या में हुए राम मंदिर प्राप्ति समारोह को अमृत विचार ने राष्ट्रीय गौरव के रूप में प्रस्तुत किया। इस दिन हमने विशेष अंक प्रकाशित किया। समारोह की गरिमा, अनुष्ठानों और प्रधानमंत्री की उपस्थिति को विस्तृत रिपोर्टिंग की गई।

बजट (1 फरवरी 2024)

1 फरवरी 2024 को पेश किए गए अंतर्राम बजट पर अमृत विचार’ ने आर्थिक विश्लेषण किया। बजट प्रावधानों का मध्यम वर्ग, किसान और युवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव पर सरल विश्लेषण प्रस्तुत किया गया।

स्थानीय उद्योगपतियों और आर्थिक विशेषज्ञों को विचारों को प्रमुखता से छापा गया।

लोकसभा चुनाव परिणाम

18वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम, जिनमें एनडीए ने जीत हासिल कर सरकार बनाई। चुनाव के रुझानों, परिणामों और राजनीतिक परिवर्तनों पर विस्तृत रिपोर्टिंग की गयी।

सुधांशु शुक्ला अंतरिक्ष मिशन

इस मिशन को अमृत विचार ने विज्ञान और राष्ट्रीय गौरव के रूप में कवर किया। मिशन की तकनीकी जानकारी और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में इसके महत्व को उजागर किया गया। सुधांशु शुक्ला की पृष्ठभूमि और इस मिशन में उनकी भूमिका पर विशेष फीचर लेख प्रकाशित किए गए।

धन्यवाद साथियों, आभारी हूँ आपका

छह वर्षों के अपने सफर में अमृत विचार ने इन प्रापुर राष्ट्रीय घटनाओं पर अपनी समर्पणीय और विस्तृत कवरेज के माध्यम से पत्रकारिता के उच्च मानदंडों को स्थापित किया है। इसने न केवल घटनाओं की रिपोर्टिंग की, बल्कि उनके पीछे के महत्व, भावना और प्रभाव को भी पाठकों तक पहुँचाया। यही कारण है कि बरेली ने इसे भरपूर प्यार दिया है।

उस मुश्किल वक्त में आपका विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत था। लेकिन यात्रा पथरीली थी रही। कुछ ऐसी थी थी, जिन्होंने मुझे नकारा। उनकी आर्यों मुझे देखकर फिर गई, शायद मैं उनकी उम्रीदों के तराजु पर पूरा नहीं उतरा पाया... या शायद मेरे साथ थोड़े कड़वे थे, जो हर किसी को रास नहीं आते। मैंने उन आलोचनाओं को भी अपने भीतर समेट लिया। मैं नाराज नहीं हुआ, बल्कि मैंने उन आलोचनाओं को भी अपने भीतर समेट लिया। मैंने सीखा कि इस शहर का मिजाज क्या है, यहाँ के लोगों की जरूरतों के व्यापार का नाराज नहीं हुआ, बल्कि मैंने उन आलोचनाओं को भी अपने भीतर समेट लिया। मैंने यहाँ की तहजीब, यहाँ की भाषा, यहाँ के सुख दुख को समझा। जब शहर चैन की नीद से रहा होता है, तब मेरे आर्यों खुली रही हैं, सिर्फ इसलिए। बरेली के पाठकों के द्वारा और विश्वास ने मुझे पंख दिया। और यह कारबंग चल पड़ा। बरेली के बाद, मैंने लखनऊ की राजनीतिक धड़कन को महसूस किया, मुरादाबाद की औद्योगिक ऊर्जा की समझा और हल्दीनी की शांत पहाड़ी सुबहों में अपनी खबरों की ताजीगी खोली। कानपुर

कु

छ लोगों की लेखनी में ऐसा दम होता है कि उनके शब्द पाठक को बांध लेते हैं। अगर आपको लिखना पसंद है और टेक्नोलॉजी की दुनिया में भी दिलचस्पी है, तो आपके लिए टेक्निकल राइटर के क्षेत्र में सबसे सही करियर विकल्प हो सकता है। यह ऐसा पेशा है, जहां शब्द और मशीन दोनों की भाषा एक साथ चलती है। अमेरिका के यूएस डिपार्टमेंट ऑफ लेबर की रिपोर्ट के मुताबिक, यह क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। आज आपको बताते हैं कि Technical Writing में अपना भविष्य कैसे बनाएं।

-ज्ञानेन्द्र कुमार दीक्षित

असिस्टेंट प्रोफेसर

बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

क्या होता है

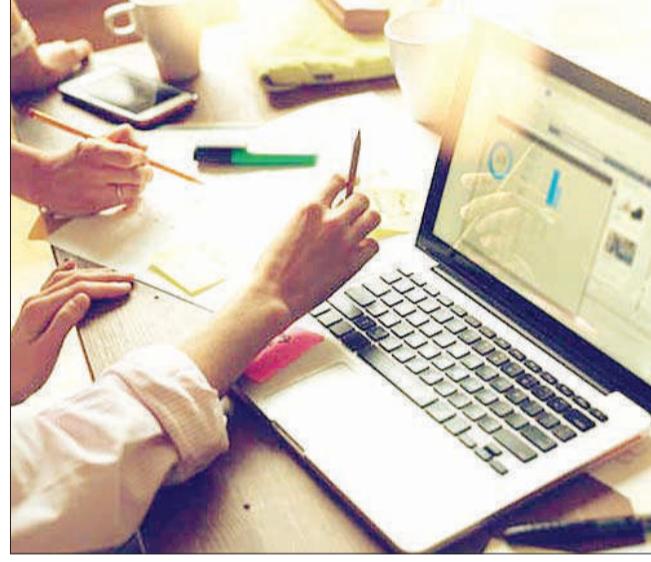
टेक्निकल राइटर

टेक्निकल राइटर वह होता है, जो किसी मशीन, सॉफ्टवेयर या ऐप को इस्तेमाल करने के तरीके को आसान शब्दों में समझाता है। जैसे मोबाइल का यूजर मैनुअल, किसी वेबसाइट का Help सेक्शन या किसी ऐप का गाइड या FAQ पेज, इन सबके पीछे टेक्निकल राइटर की मैनहन होती है। इस पेशे का उद्देश्य यही है कि टेक्नोलॉजी को आप लोगों के लिए समझाना आसान बनाया जाए।



कैसे बनें टेक्निकल राइटर

टेक्निकल राइटर बनने के लिए किसी एक खास डिग्री की जरूरत नहीं होती, लेकिन अगर आपने इंगिश, मॉस कार्युनिकेशन, जॉनलिंग या कंप्यूटर साइंस से पढ़ाई की है, तो फायदा जरूर होगा। साथ ही कई ऑनलाइन कोर्स भी उपलब्ध हैं, जो शुरुआती लोगों के लिए मददगार हैं, जैसे- Google Technical Writing Course, Coursera Technical Writing Specialization, इन कोर्स से आप सीख सकते हैं कि किसी तकनीकी जानकारी को किस तरह सरल, स्पष्ट और प्रोफेशनल अंदाज में लिखा जाए।



इन क्षेत्रों में अवसर

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में टेक्निकल राइटर्स की मांग लगातार बढ़ रही है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS), इंफोसिस, इंफोटेक और अन्य बड़ी आईटी कंपनियों में इनकी डिमांड हमेशा बढ़ी रहती है। इसके अलावा विज्ञापन एंजिनियर, सॉफ्टवेयर डेवलपर्टमेंट फर्म्स, मेडिया संस्थानों और यहां तक कि सरकारी विभागों में भी इनकी मांग बढ़ी है। अगर आप स्वतंत्र रूप से काम करना पसंद करते हैं, तो बतौर फ्रीलांसर टेक्निकल राइटर भी अच्छा करियर बना सकते हैं। आज कई वेबसाइट्स और स्टार्टअप्स प्रोजेक्ट-बेस्ट काम देती हैं, जिससे आप घर बैठे अच्छी कार्रवाई कर सकते हैं।

कैंपस में पहलानिं

उत्साह के साथ चिंता भी थी मन में

उस दिन उत्साह, घबराहट और सपनों का एक अद्भुत संगम मेरे मन में उमड़ रहा था। वह दिन था, जब मैं ईंटर की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अपने पसंदीदा पाठ्यक्रम बी.फार्मा. में प्रवेश लेने शहर के एक प्रतिष्ठित कालेज में पहुंची थी। यह दिन मेरे करियर की नई यात्रा का पहला पड़ाव था, इसलिए मन में उत्सुकता कुछ ज्यादा ही थी। मैं समय से पहले कालेज पहुंच गई और जैसे ही गेट के अंदर करम खाली, लगा मानो किसी बिल्कुल नई दुनिया में प्रवेश कर रही हूं। विशाल इमारत, प्रोग्राम्साला से आने वाली हल्की-सी महक, सफेद कोट पहने वरिष्ठ विद्यार्थी, यह सब कुछ मुझे बातबास ही आकर्षित कर रहा था।

ईंटर की मेरिट अच्छी होने के कारण मुझे आसानी से प्रवेश मिल गया। अपनी कक्षा तक पहुंचते हुए रास्ते भर दियाग में कई सवाल उठ रहे थे। क्या मैं सबके बीच तालमेल बिता पाऊंगी? क्या पढ़ाई बहुत कठिन होगी? क्या नए माहौल में मैं खुद को समायोजित कर पाऊंगी? यह सोच ही रही थी कि तभी दो-तीन नई छात्राओं से बात हुई और कुछ मिनटों में हम एक-दूसरे के साथ सहज हो गए। यह छोटी-सी बात तुम्हें तो आत्मविश्वास का पहला कदम बन गई।

कक्षा शुरू हुई, तो बैंकर से नई फार्मा की पढ़ाई, दूसरों के विज्ञान और इस क्षेत्र की जिम्मेदारियों को बड़े सरल, लेकिन प्राथमिक अद्यावच सेवा से जुड़ा हुआ एक संवेदनशील पेशा है। उनकी बातें सुनकर मेरे मन में गर्व और उत्साह का सचार हुआ। जब उन्होंने हमें बताया कि आने वाले दिनों में हमें प्रयोगशालाओं में काम करना होगा, विभिन्न रसायनों से परिचित होना होगा और औषधि निर्माण के छोटे-छोटे प्रयोग करने होंगे, तो मेरे भीतर की जिजासा फिर से जाग उठी। दोपहर में हम कैटीन गए, जहां माहौल पूरी तरह अलग था। वहां हंसी-मजाक, बातचीत और नए संबंधों की शुरुआत का सुंदर

मिश्रण था। हमने अपने-अपने स्कूल के अनुभव, घर की बातें और भविष्य के सपने साझा किए। कुछ ही बंदों में जो लोग अजनबी थे, वे अब दोस्त जैसा महसूस होने लगे।

प्रथम दिन का सबसे रोमांचक हिस्सा था-फार्मेसी लैब का पहला दौरा।

पारदर्शी बोतलों में रखे रंग-विरंगे रसायन,

व्यवस्थित उपकरण, बड़े-बड़े मापयंत्र यह

सब कुछ मैंने बड़ी उत्सुकता से देखा। मझे महसूस होने लगा कि यही वह जगह है,

जहां आने वाले चार वर्षों में अपने सपनों

को आकार दिलाएं। जब शाम को कालेज से बाहर निकली, तो सुबह की घबराहट मानो कहीं गायब हो चुकी थी। उसकी जगह नई ऊँचाई और आमाविश्वास ने ले ली थी।

यह सिर्फ कालेज का पहला दिन ही नहीं था, बल्कि यह मेरी पेशेवर यात्रा

की नींव रखने वाला दिन था,

जो मुझे हमेशा याद रहेगा।

और आगे बढ़ने की

मुझे हमेशा ही प्रेरणा देता होगा।

-प्रेरणा

अवस्थी

लखीमपुर खीरी



जल्दी स्किल्स

एक सफल ट्रेनिंग काल राइटर बनने के लिए केवल लिखने की क्षमता ही नहीं, बल्कि रिसर्च और तकनीकी समझ भी जरूरी है। इस क्षेत्र में सफलता के लिए आपके पास ये कोशल होने चाहिए-

- साफ और सरल भाषा में लिखने की कला
- रिसर्च करने और जानकारी को संक्षेप में प्रस्तुत करने की क्षमता
- ग्रामर और पीडब्लिंग की अच्छी समझ
- तकनीकी जानकारी और कंप्यूटर ट्रूल्स की पकड़



कम्प्युनिकेशन स्किल्स

- डॉक्यूमेंटेशन ट्रूल्स जैसे- MS Word, FrameMaker, Markdown आदि का ज्ञान
- चार्ट, स्क्रीनशॉट या डायग्राम के जरिए चीजों का दिखाने की क्षमता
- टाइम मैनेजमेंट और डेलाइन पर काम करने की दक्षता

प्रमुख संस्थान

- डॉक्यूमेंटेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर, बैंगलुरु
- फॉर्स सी कंटेंट एक्सप्लर्स, बैंगलुरु
- टी. डब्ल्यू. बी. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल कम्प्युनिकेशन, बैंगलुरु
- टेक्नोवॉइंट, बैंगलुरु
- टेक्नोराइट्स एकेंडमी, पुणे
- एक्स.आई.सी., मुंबई
- यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, केरल

सैलरी एंड करियर ग्रोथ

टेक्निकल राइटिंग के साथ काम के कई रास्ते भी खुलते हैं। एक प्रवेश-स्तर के तकनीकी लेखक के रूप में शुरुआत करके, आप वरिष्ठ के प्रमुख पदों पर पहुंच सकते हैं या सामग्री रणनीति या सूचना वास्तुकाल जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता भी प्राप्त कर सकते हैं। अनुभव के साथ, आपने करियर के दौरान एंड बदलना संभव है। शुरुआती महीनों में 25,000 से 40,000 रुपये तक काम सकते हैं। अनुभव और विशेषज्ञता बढ़ने के साथ आप सीनियर टेक्निकल राइटर, कंटेंट स्ट्रैटेजिस्ट या इन्कॉर्पोरेशन अर्किटेक्ट जैसे पदों तक पहुंच सकते हैं, जहां सैलरी 80,000 रुपये या उससे अधिक हो सकती है। आप चाहे तो फ्रीलांसिंग करके घर से भी अच्छा पैसा कमा सकते हैं।

नोटिस बोर्ड



- बरेली कॉलेज एंड क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त प्रयास से 21 नवंबर (शुक्रवार) को विशाल रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। आयोजन नए परीक्षा भवन में सुबह 9 बजे से होगा। मेले में निजी क्षेत्रों की लगायग 25 प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी, जो लगायग 2000 रुपयों पर चयन करेंगी।
- 26 नवंबर से एचबीटीयू में बायोटेक्स पर विशेष कार्यशाला आयोजित होगी। यह दिन तक चलेगी। बायो कैमिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यशाला में उद्यमी भाग मिलते होंगे।

डिग्री के बिना सफलता की राह करें आसान

कई बार हालात ऐसे बन जाते हैं कि हम गाहकर भी अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते। कोई कॉलेज तक नहीं पहुंच पाता, तो कोई बीच में ही पढ़ाई छोड़ देता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि करियर रुक गया। आज का समय स्किल का है और अगर आपके पास सही स्किल है, तो डिग्री के बाबत कोई बाब

